

- Sect. 63. p. 133. edit. Bipont. τὸ εἶναι] Haec a librario Cod. Reg. neglecta manus alia addidit, et statim τὸ ante ἀδικεῖν in Ald. et Bas. 1. teste Routhio omissum est.
- — — δεῖν εἶναι] Cod. Bodlei. εἶναι δεῖ. Cod. Reg. δίκαιον εἶδει εἶναι.
- Sect. 64. p. 133. edit. Bipont. τίνα ποτ' ἐστὶν ἄ] Codd. Bodlei. et Reg. τί pro τίνα, vt paullo ante.
- — — οὐδ' ἐκσῶσαι] Cod. Bodlei. εἰδὲ ἐκσῶσαι, sed statim post δ' ἐπὶ pro δὲ ἐπὶ.
- — — ἴσχυτον] Cod. Bodlei. αἰσχάτον.
- — — αἰσχιστον τ' εἶναι] τε abest a Codd. Bodlei. et Reg.
- Sect. 64. p. 134. edit. Bipont. βαλλάντιον] Codd. Bodlei. et Reg. βαλάντιον.
- — — καὶ κίκιον καὶ αἰσχίον] Cod. Bodlei. καὶ αἰσχίον καὶ κίκιον.
- — — ἐν τοῖς ἐμπροσθεν λόγοις] Cod. Bodlei. ἐν τοῖς πρόσθεν λόγοις.
- — — οὕτωςί] Cod. Bodlei. ἔτωσίν.
- — — ἐντετύχηκα] Cod. Bodlei. τετύχηκα.
- — — τὸ ἀδικεῖντα] Cod. Bodlei. τὸν ἀδικεῖντα.
- Sect. 64. p. 135. edit. Bipont. ἀλλὰ πολλή — βοήθειαν] Cod. Bodlei. πολὺ pro πολλή, et ἔχειν pro εἶναι. Caeterum Routhius existimat, ἀνάγκη — βοηθεῖν dictum esse pro ἀνάγκη αἰσχιστον εἶναι μὴ δύνασθαι ταύτην τὴν βοήθειαν βοηθεῖν.
- — — τοῖς αὐτῶ] Cod. Bodlei. τοῖς ἑαυτῶ.
- Sect.